

an&gt;

Title: Need to set up desalination plants in coastal areas of Maharashtra.

श्री हरिश्चन्द्र चव्हाण (दिंडोरी) : माननीय सदन भली-भाँति जानता है कि मेरा गृह राज्य महाराष्ट्र विगत कई सालों से सूखे की समस्या को झेल रहा है। सिंचाई से लेकर पेयजल की समस्या प्रतिदिन भयंकर होती जा रही है। खेतों को पानी नहीं मिलना, पशुओं को पानी नहीं मिलना, लोगों को पेयजल नहीं मिलने से पूरे महाराष्ट्र के किसानों की आर्थिक स्थिति बहुत ही दयनीय हो गई है। किसान के खेतों में फसल पानी के अभाव में सूखने से किसान बैंकों से लिए गए ऋणों की अदायगी नहीं कर पाने से महाराष्ट्र के किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहे हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र दिंडोरी के आस-पास के क्षेत्रों में स्थित भातसा डैम, वैतरणा डैम, एवं ताणसा डैम हैं, जिनका पानी पूरे मुंबई को जा रहा है। अगर महाराष्ट्र के समुद्री तटों पर समुद्री पानी को पेयजल में परिवर्तित करने के आधुनिक प्लांट लगाए जाए, तो उपरोक्त डैमों का पानी उत्तर महाराष्ट्र के लिए प्रयोग किया सकता है। इससे उत्तरी महाराष्ट्र में सूखे से परेशान किसानों एवं नागरिकों को कुछ राहत दी जा सकती है। इसके लिए प. बंगाल एवं तमिलनाडु के समुद्र तटों पर समुद्री पानी को पेयजल में बदलने के कई प्लांट सफल रूप से चल रहे हैं। इसके लिए मैं स्वयं माननीय प्रधानमंत्री जी से मिला था। जैसा कि सदन जानता है कि माननीय प्रधानमंत्री जी काफी प्रभावित हुए हैं। इस संबंध में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय ने कार्यवाही भी की थी, परंतु अभी तक महाराष्ट्र में इस समुद्री पानी से पेयजल बनाने हेतु किसी भी समुद्री तट पर डिसेलिनेशन प्लांट की घोणा अभी तक नहीं की गई है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि वर्तमान समय में महाराष्ट्र में सूखे की समस्याओं के तात्कालिक हल के लिए महाराष्ट्र के समुद्री तटों पर डिसेलिनेशन प्लांट स्थापित किए जाएं, जिससे मुंबई को पानी की आपूर्ति की जा सके और भातसा डैम, वैतरणा डैम एवं वैतरणा डैम से जो पानी मुंबई के लिए जाता है, उस पानी को उत्तरी महाराष्ट्र के सूखे से प्रभावित क्षेत्रों में दिया जा सके।